तीखी नज़र **एनीटाइम न्यूज** तीखे सवाल

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र | वेब पोर्टल | यू-ट्यूब चैनल

वर्षः08 अंकः 20 | लखनऊ, शुक्रवार 15-21 जुलाई 2023 | www.anytimenews.today | पृष्ठः8 | मूल्यः2

भाजपा राजनीतिक रूप से तो मजबूत हुई है मगर चारित्रिक रूप से कमजोर हो गयी

-रमेश सर्राफ धमोरा

कभी चाल, चरित्र, चेहरे की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब पूरी तरह से बदल गई है। सत्ता के लालच ने भाजपा का चरित्र ही बदल कर रख दिया है। देश में कम्युनिस्ट पार्टियों के बाद अनुशासन के मामले में सख्त मानी जाने वाली भाजपा का अनुशासन अब तार-तार हो गया है। भाजपा में वफादारी की बात करना अब बेमानी हो गया है। सत्ता के लालच में पार्टी के नेता कब कौन-सा कदम उठा ले किसी को पता नहीं है। 2014 के बाद तो भाजपा पूरी तरह बदल गयी है। इस समय की भाजपा सत्ता की इतनी भूखी हो गई है कि सत्ता मिलते देख वह अपने जन्मजात दुश्मनों को भी गले लगाने से परहेज नहीं कर रही है। जब 1980 में जनता पार्टी से अलग होकर भाजपा का गठन किया गया था। उस समय राजनीतिक रूप से तो भाजपा कमजोर थी मगर चारित्रिक रूप से बहुत मजबूत थी। भाजपा के अनुशासन व संगठन को लेकर सभी राजनीतिक दलों में चर्चाएं होती थीं। अपने वफादार कार्यकर्ताओं के बल पर भाजपा हर समय संघर्ष करने को तैयार रहती थी। पार्टी नेताओं के एक इशारे पर पार्टी कैडर मरने मारने पर उतारू हो जाता था। पार्टी के कार्यकर्ता भूखे रहकर महीनों तक चुनाव में पार्टी के लिए मेहनत करते थे। मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल गया है। आज भाजपा का कार्यकर्ता सुविधा भोगी हो गया है। सबको सत्ता का लालच आ गया है। पार्टी का हर कार्यकर्ता पांच सितारा जिंदगी में जीना चाहता है। भाजपा का छुटभैया नेता भी आज बड़ी-बड़ी लग्जरी गाड़ियों में घूम रहा है। एक समय पाई पाई के लिए

मोहताज रहने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं के पास अचानक ही लग्जरी लाइफस्टाइल बिताने के लिए इतना धन कहां से आया इस बात से पार्टी के बड़े नेताओं को कोई मतलब नहीं रहता है। सत्ता पाने की होड़ में पार्टी आलाकमान उस बात से भी आंख मूंद लेती है जिससे पार्टी की छवि खराब हो रही है। पार्टी की स्थापना करने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, नानाजी देशमुख, विजय राजे सिंधिया, भैरोंसिंह शेखावत, कुशाभाऊ ठाकरे, सुंदर सिंह भंडारी, कल्याण सिंह, मुरली मनोहर जोशी, शांता कुमार, सुंदरलाल पटवा, श्यामाचरण सकलेचा, मदन लाल खुराना, जगदीश प्रसाद माथुर, विजय कुमार मल्होत्रा, जाना कृष्णमूर्ति, एम वेंकैया नायडू, सूरजभान जैसे बहुत से नेताओं ने पार्टी को बनाने में अपना सब कुछ खपा दिया था। पार्टी में इन वरिष्ठ नेताओं का जब तक दबदबा रहा तब तक पार्टी सत्ता पाने की दौड़ में शामिल नहीं हुई थी। अटल, आडवाणी युग में भाजपा ने अपने को जमीनी स्तर पर बहुत मजबूत किया था। जिसका ही नतीजा है कि आज भाजपा देश में शासन कर रही है। एक समय था जब अटल बिहारी वाजपेयी ने सिद्धांतों से समझौता नहीं कर के प्रधानमंत्री का पद गंवा दिया था। उस दौर में पार्टी के लिए सत्ता से बड़े सिद्धांत होते थे। मगर अब सब कुछ बदल गया है। आज के समय में सत्ता हासिल करना ही पार्टी का मुख्य उद्देश्य बन गया है। 2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने और अमित शाह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने उसके बाद से पार्टी में पुराने नेताओं, पुराने कार्यकर्ताओं को धीरे-धीरे पीछे धकेला जाने लगा। उनके स्थान पर फाइव स्टार कल्चर के नए-नए लोगों को आगे बढ़ाए जाने जाने लगा। भाजपा के बारे में माना जाता था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का पार्टी पर पूरा नियंत्रण रहता है। संघ की इजाजत के बिना पार्टी में पत्ता भी नहीं हिल सकता है। मगर मौजूदा परिस्थितियों में लगता है कि संघ का पार्टी पर से नियंत्रण समाप्त हो गया है। संघ के पदाधिकारी भी आज मौन रहकर पार्टी के सत्ता लोलुप स्वरूप को देख रहे हैं। पार्टी की नीतियों में हस्तक्षेप करने की संघ में भी हिम्मत नहीं रह गई है। इसीलिए भाजपा के बड़े नेता मन मुताबिक फैसले लेकर काम कर रहे हैं। आज भाजपा में दूसरे दलों से आए नेताओं का बोलबाला हो रहा है। पार्टी के शासन वाले बहुत से राज्यों में दूसरे दलों से आए नेताओं को मुख्यमंत्री, मंत्री बनाया गया है। ऐसे ही संगठन में दूसरी पार्टी से आए नेता प्रमुख पदों पर बैठे हुए हैं। हाल ही में पंजाब भाजपा के अध्यक्ष बनाए गए सुनील जाखड़ तो कुछ माह पूर्व ही भाजपा में शामिल हुए थे। कांग्रेस पार्टी में तवज्जो नहीं मिलने के चलते सुनील जाखड़ भाजपा में आ गए थे। पूर्व में वह पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसी तरह असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होकर राज कर रहे हैं। उन प्रदेशों में जो पार्टी कैडर के कार्यकर्ता थे उनका आज पता ठिकाना भी नहीं है कि वो लोग कहां गुमनामी में खो गए हैं। भाजपा के मौजूदा नेतृत्व ने जब 2015 में जम्मू-कश्मीर में जम्मू कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के मुफ्ती मोहम्मद सईद फिर उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती के साथ मिलकर सरकार बना ली थी उसी दिन से भाजपा के सभी सिद्धांत समाप्त हो गए थे। सत्ता के लिए मुफ्ती मोहम्मद सईद व महबूबा मुफ्ती जैसे भारत विरोधी विचारधारा के कट्टरपंथी नेताओं के साथ सरकार बनाना भाजपा द्वारा अपने सभी सिद्धांतों को तिलांजलि देने के समान था। इसके साथ ही भाजपा जहां चुनाव नहीं जीत सकती वहां जोड़-तोड़ कर सरकार बनाना शुरू कर दिया। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर इसके पहले शिकार हुए।

पीएम स्वनिधि स्कीम के तहत प्रगति का रिपोर्ट कार्ड- डा विवेक जोशी

बैंकों से पीएम स्वनिधि स्कीम की विभिन्न विशेषताओं के बारे में स्ट्रीट वेंडरों के बीच जागरूकता पैदा करने और डिजिटल लेनदेन में निष्पादन के आधार पर स्ट्रीट वेंडरों को सम्मानित करने के लिए कार्यशालाएं, संगोष्ठी, वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किये जाये ।यें बाते सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों के साथ पीएम स्वनिधि सहित वित्तीय समावेशन योजनाओं पर एक समीक्षा बैठक के दौरान वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव डॉ. विवेक जोशी नें डी एफ एस भवन में कही। डॉ. जोशी ने बैंकों से आवेदनों की मंजूरी/संवितरण के लंबित मामलों को शीघ्रता से निपटाने की अपील की। उन्होंने बैंकों से स्ट्रीट वेंडरों को डिजिटल प्रणाली में शामिल करने और उनके डिजिटल भुगतान को बढ़ाने के लिए रणनीति तैयार

करने तथा प्रयासों में तेजी लाने का आग्रह किया। पीएम स्वनिधि स्कीम निम्न-लागत ऋण तक निर्बाध पहुंच और उनके आर्थिक विकास के लिए उन्हें डिजिटल रूप से शामिल करने के माध्यम से स्ट्रीट वेंडरों के सशक्तिकरण की परिकल्पना करती है। पीएम स्वनिधि स्कीम रेहड़ी-पटरी वालों को ऋण सहायता प्रदान करने में निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। देश भर में इसके प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) और डीएफएस द्वारा संयुक्त रूप से स्कीम के निष्पादन की नियमित रूप से निगरानी की जाती है। 19 जुलाई, 2023 तक, 53.41 लाख आवेदन स्वीकृत किए गए हैं, जबकि 50.52 लाख आवेदनों को 6,472 करोड़ रुपये के बराबर की राशि संवितरित की गई है। मई 2023 में, बैंकों और शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) द्वारा एक विशेष अभियान आयोजित किया गया। अभियान अवधि के दौरान कुल 6,808 शिविर आयोजित किये गये। अभियान के दौरान कुल 1,02,358 आवेदन स्वीकृत किए गए और 1,01,354 आवेदन संवितरित किए गए। इसके अतिरिक्त, अभियान के दौरान 1,06,432 वेंडरों को डिजिटल रूप से शामिल किया गया।

डाकघर निर्यात केंद्र का पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने किया शुभारंभ

निलेश मिश्र

बदलते परिवेश में डाक विभाग नवीनतम टेक्नोलॉजी अपनाते हुए नित नवाचार कर रहा है। ई-कॉमर्स के चलन से पार्सल व्यवसाय में तेजी से वृद्धि हो रही है। देश ही नहीं विदेशों में भी खूब पार्सल भेजे जा रहे हैं। इसी क्रम में वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने विशेश्वरगंज स्थित वाराणसी प्रधान डाकघर में डाकघर निर्यात केंद्र का शुभारम्भ किया। अब यहाँ से विभिन्न उद्यमी विदेशों में पार्सल भेज सकेंगे और घर बैठे कस्टम क्लियरेंस की सुविधा उपलब्ध होगी। पहले ही दिन वाराणसी के डाकघर निर्यात केंद्र से कुवैत, आयरलैंड और न्यूजीलैंड देशों के लिए बुकिंग की गई। पोस्टमास्टर जनर ने कहा कि शीघ्र ही वाराणसी परिक्षेत्र के जौनपुर प्रधान डाकघर, बलिया प्रधान डाकघर, भदोही मुख्य डाकघर एवं पंडित दीन दयाल उपाध्याय उपडाकघर में भी उद्यमियों की सुविधा के लिए डाकघर निर्यात केंद्र की स्थापना की जाएगी। कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि विदेश भेजने

हेतु पार्सल बुक करवाने के लिए अब ग्राहकों को डाकघर आने की जरूरत नहीं है, घर बैठे ही पोर्टल के माध्यम से अपना पार्सल बुक कर सकेंगे। इसके लिए डाक विभाग द्वारा देश भर के जिला मुख्यालय के प्रधान/मुख्य डाकघरों में डाकघर निर्यात केंद्र खोले जा रहे हैं।इस अवसर पर प्रथम ग्राहक के रूप में यासिन खान ने पार्सल बुक कराया, जिन्हें पोस्टमास्टर जनरल ने प्रतीकात्मक रूप से रसीद सौंपकर शुभारंभ की घोषणा की। वाराणसी पूर्वी मंडल के प्रवर डाक अधीक्षक राजन ने बताया कि डाकघर निर्यात केंद्र के लिए डाककर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है, जो ग्राहकों को डाक विभाग के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन से लेकर बुकिंग तक में मदद करेंगे, ताकि ग्राहकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर प्रवर डाक अधीक्षक राजन, सीनियर पोस्टमास्टर संकठा प्रसाद राय, सहायक अधीक्षक सुरेन्द्र चौधरी, दिलीप सिंह यादव, आइपीपीबी मैनेजर सुबलेश सिंह, डाक निरीक्षक श्रीकांत पाल, दिलीप पांडेय, साधना मिश्रा, श्रीप्रकाश गुप्ता, दीपमणि, मनीष मिश्रा सहित तमाम अधिकारी, कर्मचारी और उद्यमी उपस्थित रहे

अपनी बैंक के कर्मचारियों को सशक्त बनाना है : ऋषिकेश मिश्रा

यूबीआई अपने महिला और पुरुष स्टाफ को तन और मन से मजबूत बना कर अपने ग्राहकों को बेस्ट सेवाओं के साथ कारोबार करना चाहता है इसी कड़ी में यूनियन बैंक भवन, गोमती नगर में बैंक द्वारा अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एंपावर हर और पॉवर हिम कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बैंक के केन्द्रीय कार्यालय से आए महाप्रबंधक ऋषिकेश मिश्रा, महाप्रबंधक सुमित श्रीवास्तव, क्षेत्र प्रमुख मारकण्डेय यादव सहित कई उच्चाधिकारियों तथा अन्य स्थानीय स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। महाप्रबंधक ऋषिकेश मिश्रा ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बैंक कर्मचारियों को सशक्त बनाना था जो निरंतर चलते रहने वाला कार्यक्रम है जिससे कर्मचारी कार्य स्थल पर तनावमुक्त वातावरण में कार्य करते हुए बैंक के कारोबार को बढ़ा सकें। ऋषिकेश मिश्रा ने मौजूद सदस्यों के साथ प्रेरणादायक संवाद स्थापित करते हुए इस कार्यक्रम के उद्देश्य तथा महत्व पर चर्चा की। इस अवसर पर नगर के प्रख्यात चिकित्सक संदीप कु. केसरवानी, विशेषज्ञ ओर्थों एवं स्पाइन सर्जन ने उपस्थित स्टाफ सदस्यों को स्वस्थ जीवन जीने से संबन्धित सुझाव एवं सलाह भी साझा की।

उत्तर प्रदेश में ई-कचरा प्रबंधन कां नही कोई रिकार्ड

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ई-कचरा प्रबंधन नियम, 2016 के तहत अनिवार्य रूप से उत्पादकों द्वारा प्रदान किए गए देशव्यापी बिक्री डेटा और अधिसूचित विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण (ईईई) के औसत जीवन के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर ई-कचरा उत्पादन का अनुमान लगाता है। सीपीसीबी के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष (वित्तीय वर्ष) 2020-21 और 2021 में ई-अपशिष्ट (प्रबंधन) नियम, 2016 के तहत अधिसूचित ईईई के इक्कीस (21) प्रकारों से देश में उत्पन्न ई-कचरा -22 का अनुमान क्रमशः 13,46,496.31 टन और 16,01,155.36 टन था, जो दुनिया की अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में पर्याप्त नहीं है। मंत्रालय ने नियमों के पिछले सेट को व्यापक रूप से संशोधित किया है और नवंबर, 2022 में ई-अपशिष्ट (प्रबंधन) नियम, 2022 को अधिसूचित किया है और इसे 1 अप्रैल, 2023 से लागू किया गया है। इन नए नियमों का उद्देश्य ई-कचरे को पर्यावरणीय रूप से सुदृढ़ तरीके से प्रबंधित करना है। और ई-कचरा पुनर्चक्रण के लिए एक बेहतर विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) व्यवस्था लागू की गई, जिसमें सभी निर्माता, उत्पादक, नवीनीकरणकर्ता और पुनर्चक्रणकर्ताओं को सीपीसीबी द्वारा विकसित पोर्टल पर पंजीकरण करना आवश्यक है। नए प्रावधान व्यवसाय करने के लिए अनौपचारिक क्षेत्र को औपचारिक क्षेत्र की ओर सुविधाजनक बनाएंगे और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से ई-कचरे का पुनर्चक्रण सुनिश्चित करेंगे। पर्यावरण क्षतिपूर्ति और सत्यापन एवं लेखापरीक्षा के प्रावधान भी पेश किए गए हैं। ये नियम ईपीआर व्यवस्था और ई-कचरे के वैज्ञानिक पुनर्चक्रण/निपटान के माध्यम से सर्कुलर इकोनॉमी को भी बढ़ावा देते हैं। देश भर में ई-अपशिष्ट (प्रबंधन) नियमों को लागू करने के लिए एक कार्य योजना लागू है और इसे सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों (एसपीसीबी)/प्रदूषण नियंत्रण समितियों (पीसीसी) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

एमएसएमई देश के 12 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार देता है : भानु प्रताप सिंह वर्मा

केवीआईसी के वितरण कार्यक्रम के माध्यम से, पारंपरिक कारीगरों को उनकी आय और रोजगार बढ़ाने के लिए आधुनिक मशीनें और उपकरण बांटे गये एमएसएमई क्षेत्र भारत के सकल घरेलू उत्पाद में एक तिहाई योगदान देता है और देश के 12 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार प्रदान करता है। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने ग्रामीण भारत में रोजगार सृजन के क्षेत्र में पिछले नौ वर्षों में ऐतिहासिक काम किया है। यें बातें उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 340 लाभार्थियों को इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील, पैडल संचालित अगरबत्ती मशीनें, मोटर चालित अगरबत्ती मशीनें और टर्नवुड क्राफ्ट मशीनों का वितरण करते हुए केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने कही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग सभी गांवों में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए लगातार कोशिश कर रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले वित्त वर्ष में इतिहास रचते हुए खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का कारोबार 1.34 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केवीआईसी ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत भारतीय पारंपरिक उद्योगों के श्रमिकों को उपकरण और मशीनरी का वितरित किया जा रहा है, पारंपरिक उद्योगों के श्रमिकों की आय में वृद्धि करने से उनके जीवन स्तर में व्यापक सुधार होगा। मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व देश एक मजबूत, आत्मनिर्भर राष्ट्र बन रहा है और यह विश्व के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि हमें मेक इन इंडिया के साथ-साथ मेक फॉर वर्ल्ड के मंत्र के साथ आगे बढ़ना होगा, तभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लोकल टू ग्लोबल विजन साकार होगा। इस अवसर पर अयोध्या के सांसद, लल्लू सिंह ने केवीआईसी द्वारा लागू ग्राम विकास योजना की सराहना करते हुए कहा कि इन योजनाओं से जुड़कर हमारे पारंपरिक कारीगर स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। अयोध्या के महापौर, गिरीशपति त्रिपाठी ने लोगों से खादी एवं ग्रामोद्योग द्वारा उत्पादित स्वदेशी उत्पादों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने की अपील की जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त हो सके। राज्य कार्यालय, केवीआईसी, लखनऊ द्वारा ग्राम विकास योजना के अंतर्गत ग्राम स्वावलंबी विद्यालय, रानीवा में आयोजित इस वितरण कार्यक्रम का आयोजन मनोज कुमार, अध्यक्ष, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, लल्लू सिंह, सांसद, अयोध्या और लखनऊ और गोरखपुर मंडल कार्यालय के लाभार्थियों की उपस्थित में किया गया। अयोध्या के महापौर गिरीशपति त्रिपाठी और केवीआईसी (उत्तरी क्षेत्र) के सदस्य नागेंद्र रघुवंशी ने भी इस वितरण कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

सीएससी बनेगा सहारा रिफंड पोर्टल की चाबी

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सीआरसीएस सहारा रिफंड पोर्टल पर गांव और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की आवेदन भरने में सुविधा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया कॉमन सर्विस सेंटर सहारा ग्रुप की सहकारी समितियों के जमाकर्ताओं को सीआरसीएस सहारा रिफंड https:@@mocrefund-crcs-gov-in पर अपने दावे प्रस्तुत करने में सहायता करेंगेकेंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सीआरसीएस सहारा रिफंड पोर्टल पर गांव और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की आवेदन भरने में सुविधा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सहारा ग्रुप की सहकारी समितियों के प्रमाणिक जमाकर्ताओं को सीआरसीएस सहारा रिफंड पोर्टल पर दावे प्रस्तुत करने में कॉमन सर्विस सेंटर भी सहायता करेंगे। अमित शाह ने 18 जुलाई, 2023 को नई

दिल्ली में सहकारी समितियों के केंद्रीय पंजीयक सीआरसीएस – सहारा रिफंड पोर्टल का शुभारंभ किया था। देश भर में फैले हुए 5.5 लाख से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर द्वारा 300 से अधिक ई–सर्विसेज उपलब्ध कराई जा रही हैं । इन सीएससीएस में इंटरनेट कनेक्टिविटी, कम्प्यूटर, प्रिंटर और स्कैनर जैसी सभी सुविधाएं मौजूद हैं। प्रमाणिक जमाकर्ताओं द्वारा ब्ब्ैद्सहारा रिफंड पोर्टल पर अपने दावे प्रस्तुत करने के लिए आवेदन भरने हेतु निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर से सहायता ली जा सकती है। सीएससी एण्ड एसपीवी ने अपने सभी ग्राम स्तर के उद्यमियों को सहारा के प्रमाणिक जमाकर्ताओं की मदद करने के लिए सूचित किया है और कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से प्रमाणिक जमाकर्ताओं को दावे प्रस्तुत करने में सुविधा हो, इसके लिए अपने सिस्टम को सक्षम बनाया है। सीआरसीएस सहारा रिफंड पोर्टल को सहारा समूह की 4 सहकारी समितियों – सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी लिमिटेड, हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड और स्टार्स मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के प्रामाणिक जमाकर्ताओं द्वारा दावे प्रस्तुत करने के लिए विकसित किया गया है ।

यूनाइटेड इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, नगीना, बिजनौर, उत्तर प्रदेश का लाइसेंस रद्द

मलूक त्यागी

भारतीय रिज़र्व बैंक ने 14 जुलाई, 2023 के आदेश के माध्यम से यूनाइटेड इंडिया को–ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, नगीना, बिजनौर, उत्तर प्रदेश का लाइसेंस रद्द कर दिया है। नतीजतन, बैंक 19 जुलाई, 2023 को कारोबार बंद होने के प्रभाव से बैंकिंग व्यवसाय करना बंद कर देता है। उत्तर प्रदेश के सहकारी आयुक्त और रजिस्ट्रार से भी बैंक को बंद करने और एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। यें जानकारियां भारतीय रिजर्व बैंके महा प्रबंधक ने जारी एक बयान में दी। महा प्रबंधक ने बताया कि रिज़र्व बैंक ने बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं. इस प्रकार, यह बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पढ़ी गई धारा 11(1) और धारा 22 (3) (डी) के प्रावधानों का अनुपालन नहीं करता है। भारतीय रिजर्व बैंक का कहना है कि बैंक का बने रहना उसके जमाकर्ताओं के हितों के लिए हानिकारक है बैंक अपनी वर्तमान वित्तीय स्थिति के साथ अपने वर्तमान जमाकर्ताओं को पूरा भुगतान करने में असमर्थ है और यदि बैंक को अपना बैंकिंग व्यवसाय आगे भी जारी रखने की अनुमति दी गई तो सार्वजनिक हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। बैंक के लाइसेंस को रद्द करने के परिणामस्वरूप, यूनाइटेड इंडिया को–ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड को बैंकिंग का व्यवसाय करने से प्रतिबंधित किया गया है, जिसमें अन्य बातों के अलावा, जमा स्वीकार करना और जमा का पुनर्भुगतान शामिल है। जैसा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 5(बी) में परिभाषित है, तत्काल प्रभाव से परिसमापन पर, प्रत्येक जमाकर्ता जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) विषय से 5,00,000/- (पांच लाख रुपये केवल) की मौद्रिक सीमा तक अपनी जमा राशि की जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने का हकदार होगा। अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार। बैंक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, 99.98फीसदी जमाकर्ता डीआईसीजी से अपनी जमा राशि की पूरी राशि प्राप्त करने के हकदार हैं।

सर्राफा व्यापारियों ने उठाई सुरक्षा और जीएसटी में सुधार की मांग

प्रमुख सर्राफा व्यापारियों की एक बैठक में छावनी सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय केसरवानी तथा महामंत्री मनोज गोयल ने लखनऊ महानगर सर्राफा एसोसिएशन और उसके अध्यक्ष मनीष कुमार वर्मा जी में पूरा विश्वास जताते हुए एलएमएसए से संबद्ध होने की घोषणा की. लखनऊ महानगर सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष कुमार वर्मा और उनकी पूरी टीम ने छावनी सराफा एसोसिएशन को हर समय,हर संभव एक साथ होने का संकल्प दिया. बैठक में प्रमुख रूप से लखनऊ महानगर सर्राफा एसोसिएशन के चेयरमैन–धर्मेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष–मनीष कुमार वर्मा,प्रभारी–राजेश सोनी, महामंत्री–प्रवीण गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष–राम कुमार विश्वकर्मा, हंसराज विश्वकर्मा,संजय जी, छावनी सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय महामंत्री मनोज गोयल जी सहित क्षेत्र के सैकड़ों सर्राफा व्यापारी मौजूद रहे।

1355 करोड़ रुपये की फर्जी आपूर्ति में शामिल 131 फर्जी फर्मों का सीजीएसटी लखनऊ ने किया भंडाफोड़

पूजा श्रीवास्तव

इनपुट टैक्स क्रेडिट का गोलमाल करने के मामले में लगातार बढ़ोतरी हो रही है वहीं इस मामले में उत्तर प्रदेश केंद्रीय वस्तुएं एवं सेवा कर जीएसटी आयुक्त कार्यालय लखनऊ ने एक 1355 करोड़ों की फर्जी आपूर्ति में शामिल 131 फर्जी फर्मों का भंडाफोड़ किया जिन्होंने 197.20 करोड़ रुपये का फर्जी इनपुट क्रेडिट टैक्स ले लिया है। यें फर्मों लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, शाहजहाँपुर, सीतापुर, लखीमपुर, बाराबंकी, गोंडा, बलरामपुर, बहराईच और श्रावस्ती जिलों में हैं । यें जानकारियां यें जानकारियां ससीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्तालय लखनऊ के आयुक्त दीपांकरन एरन ने जारी एक बयान में दी। आयुक्त दीपांकरन एरन ने बतया कि धोखाधड़ी से जीएसटी लाभ प्राप्त करने के लिए फर्जी फर्मों के निर्माण में लगे देश भर में सक्रिय सिंडिकेट को खत्म करने

के लिए विशेष अखिल भारतीय अभियान के एक हिस्से के रूप में, सीजीएसटी लखनऊ ने मई, जून और जुलाई, 2023 के महीनों के दौरान एक व्यापक अभियान चलाया। सीजीएसटी, लखनऊ के अधिकार क्षेत्र के तहत लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, शाहजहाँपुर, सीतापुर, लखीमपुर, बाराबंकी, गोंडा, बलरामपुर, बहराईच और श्रावस्ती जिलों में पंजीकृत 647 फर्मों के पते पर भौतिक सत्यापन किया गया। दीपांकरन एरन ने बताया कि इस अभियान के दौरान, 131 फर्में अस्तित्वहीनपाई गईं, जिन्होंने फर्जी नामों पर और जाली दस्तावेजों का उपयोग करके जीएसटी पंजीकरण लिया था। जबकि कुछ फर्मों ने कुछ अन्य व्यक्तियों के पैन का उपयोग करके धोखाधड़ी से जीएसटी पंजीकरण लिया था, कुछ ने जाली किराया समझौते या बिजली बिल और ऐसे पते का उल्लेख किया था जो वास्तव में अस्तित्व में ही नहीं थे। इन 131 फर्जी, अस्तित्वहीन फर्मों ने पूरे देश में फैली लगभग 1100 प्राप्तकर्ता फर्मों को 1355.74 करोड़ रुपये की वस्तुओं/सेवाओं की आपूर्ति दिखाई थी लेकिन ये आपूर्ति वास्तव में नहीं हुई थी। अधिकांश प्राप्तकर्ता कंपनियाँ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली राज्यों में स्थित हैं। इन नकली आपूर्तियों में दिखाई गई प्रमुख वस्तुएँ वेस्ट एवं स्क्रैप, प्लाईवुड और विनियर हैं। जीएसटी अपवंचन के इरादे से प्राप्तकर्ता फर्मों को 197.20 करोड़ रुपये के अयोग्य इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ देने के लिए वस्तुओं/सेवाओं की इन फर्जी आपूर्ति को रिकॉर्ड में दिखाया गया था। ऐसी सभी प्राप्तकर्ता फर्मों के संबंधित कर अधिकारियों को, जिन्होंने इन अस्तित्वहीन फर्जी फर्मों से इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त किया था, ऐसे इनपुट टैक्स क्रेडिट की वसूली के लिए सतर्क कर दिया गया है। इन फर्जी,अस्तित्वहीन फर्मों के जीएसटी पंजीकरण को निलंबित/रद्द कर दिया गया है और इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए उनके क्रेडिट लेजर में उपलब्ध 21.60 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) को अवरुद्ध कर दिया गया है।

संपादकीय

इंडिया बनाम भाजपा

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 2024 के आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को हराने के उद्देश्य से कांग्रेस की अगुवाई में 26 विपक्षी दल एकत्र हुए और अब इस मोर्चे का नाम इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस यानी इंडिया रखा गया है। वहीं अपने किले को प्रतिपक्षी आक्रमण से बचाने के लिये भाजपा ने छोटी-बड़ी 38 सियासी पार्टियों को अपने पक्ष में लामबन्द किया है। विपक्षी दलों के मुकाबले 12 अधिक दलों का समर्थन जुटाकर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा (एनडीए) ने खुद की छतरी बड़ी दिखलाने की कोशिश की है परन्तु दोनों के बीच के अंतर को समझना आवश्यक है तभी इस परिघटना के महत्व और भावी राजनैतिक परिदृश्य को गहराई से समझा जा सकता है। वैसे तो एक लम्बे समय से यह माना जा रहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का न तो कोई विकल्प है और न ही भाजपा को हराया जा सकता है। पिछले साल की मई के दूसरे हफ्ते में कांग्रेस की उदयपुर में हुई संकल्प बैठक में देश की सबसे पुरानी पार्टी ने खुद को रिचार्ज किया। इस बैठक में लिये गये निर्णय के ही मुताबिक राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से 7 सितम्बर, 2022 को एक लम्बी दूरी की पैदल यात्रा प्रारम्भ की जिसके 30 जनवरी, 2023 को कश्मीर (श्रीनगर) पहुंचते-पहुंचते भारत की राजनैतिक तस्वीर बदलने लगी। यात्रा के दौरान व संसद में और तत्पश्चात इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में जिस प्रकार से राहुल ने मोदी पर हमला बोला, उन्हें पहले अवमानना के एक छोटे से मामले में सजा दिलाई गई। बुलेट ट्रेन की गति से उनकी सांसदी छिन गई तथा उनका शासकीय बंगला खाली कराया गया। इसके बाद तो देश की फिज़ा ही बदल गई। जो कांग्रेस पहले कई दलों के लिये अस्वीकार्य ही नहीं त्याज्य भी थी, उसमें उन्हें भाजपा के खिलाफ लड़ाई की रहनुमाई के तत्व दिखने लगे। बेंगलुरु में विपक्षी दलों के इस महाजुटान में परस्पर विमर्श कर भाजपा को अगले साल के आम चुनाव के जरिये सत्ताच्युत करने सम्बन्धी कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई। अब इंडिया की एक और बैठक महाराष्ट्र में होगी। जिसमें चुनाव की रणनीति तैयार की जाएगी। गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, अग्निवीर, पुरानी पेंशन योजना जैसे जन सरोकार के मुद्दों पर केन्द्र के खिलाफ सामूहिक आंदोलन तय हो सकते हैं जो पहले इंडिया का न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनेंगे एवं आने वाले समय में उसके संयुक्त चुनावी घोषणापत्र के विभिन्न विषय भी। विपक्ष की इस सामने दिख रही आंधी को रोकने के लिये भाजपा ने न केवल एनडीए को पुनर्जाग्रत किया है वरन ऐसे-ऐसे दलों को भी अपने खेमे से जोड़ा है जो या तो अल्प ज्ञात हैं अथवा जिनके बारे में ज्यादातर ने पहले कभी सुना भी नहीं था। उससे नये जुड़े कुछ दल ऐसे हैं जिनका न कोई विधायक है और न सांसद। कुछ दलों की विधायिकाओं में बेहद क्षीण उपस्थिति है।

आरबीआई का आकलन

आदित्य नारायण

खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ौतरी के कारण जून में खुदरा मुद्रा स्फीति में आई तेजी यह दर्शाती है कि मुद्रा स्फीति के खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई। इस समय टमाटर समेत फल-सब्जियों की कीमतों में बढ़ौतरी आम आदमी की चिंता का सबब बनी हुई है। मुख्य रूप से खाद्य मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पांच महीने में पहली बार जून में बढ़कर 4.81 प्रतिशत हो गया, जो मई में 4.31 प्रतिशत था। हालांकि यह आरबीआई के सहनशीलता बैंड के भीतर है। अप्रैल में मुद्रा स्फीति की दर 4.7 प्रतिशत थी। आरबीआई का आंकलन स्पष्ट है कि महंगाई के मोर्चे पर अभी जंग जारी है। सब्जियों के दामों में महंगाई यद्यपि मौसमी और बाढ़ प्रभावित इलाकों से आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होने के कारण है लेकिन अन्य खाद्यान्न वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से जनजीवन प्रभावित है। वैसे तो दुनिया के बड़े-बड़े देश महंगाई पर काबू पाने के लिए जूझ रहे हैं। महंगाई का असर पूरी दुनिया में देखा जा रहा है, लेकिन यह संतोष का विषय है कि भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम.पात्रा और अन्य आरबीआई के अधिकारियों ने मुद्रा स्फीति को लेकर अपना आंकलन प्रस्तुत किया। मई 2022 और फरवरी 2023 के बीच आरबीआई ने मुद्रा स्फीति पर लगाम लगाने के लिए रेपो दर में बढ़ौतरी की थी, जिस पर आरबीआई बैंकों कोप्छनकी अल्पकालिक फंडिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए पैसा उधार देता है। अप्रैल और जून की मौद्रिक नीतियों में आरबीआई ने रेपो दर को अपरिवर्तित छोड़ दिया था। उसके बाद मुद्रा स्फीति की दरों में नरमी देखी गई थी लेकिन भारत में मानसून की वर्षा ने काफी गड़बड़ कर दी है। इससे पहले पिछले माह आई आरबीआई रिपोर्ट में यह कहा गया था कि मुद्रा स्फीति अधिक रहने से निजी खपत पर होने वाले खर्च में कमी आ रही है जिसके परिणामस्वरूप कम्पनियों की बिक्री में सुस्ती और क्षमता निर्माण मेंघ् निजी निवेश में गिरावट आ रही है। जब तक मुद्रा स्फीति नीचे नहीं आती तब तक इससे जुड़ी उम्मीदों को स्थिर करने और उपभोक्ता व्यय बहाल करने में मदद नहीं मिलेगी। कम्पनियों कीघ्ष् बिक्री तभी बढ़ेगी जब लोग पैसा खर्चेंगे। भारत इस मामले में भाग्यशाली है कि उसकी अर्थव्यवस्था के सभी संकेत काफी बेहतर हैं। भारत की विकास दर तेजी से बढ़ रही है और वह दुनिया की सबसे बड़ी दूसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने पिछले महीने ही कहा था कि मुद्रा स्फीति को निर्धारित सीमा के भीतर लाने का काम अभी आधा ही हुआ है। इसलिए मुद्रा स्फीति वृद्धि परिदृश्य का आंकलन करने की जरूरत है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 23-24 के लिए देश की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। जैसे-जैसे व्यापक आर्थिक सम्भावनाएं लगातार बेहतर हो रही हैं। भारत अपनी पूरी क्षमता को गतिशील बना रहा है। केन्द्र की मोदी सरकार भी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए लगातार कदम उठा रही है। अन्य देशों के मुकाबले भारत की स्थिति बहुत बेहतर है। पूरा यूरोप महंगाई से परेशान है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते भी वैश्विक स्तर पर खाद्यान्न पदार्थों और ऊर्जा की कीमतें बहुत बढ़ चुकी हैं। यही कारण है कि यूरोपियन सेंट्रल बैंक अपनी ब्याज दरों में लगातार बढ़ौतरी करते जा रहे हैं। महंगाई के चलते आम आदमी की क्रय शक्ति कम हो जाती है। इस समय उड़द और अरहर जैसी दालें भी काफी महंगी हो चुकी हैं। दूध की कीमतों में लगातार बढ़ौतरी हो रही है। यही कारण कि केन्द्र सरकार ने 2 जून को अरहर और उड़द के स्टॉक की जमाखोरी करने पर रोक लगा दी थी। महंगाई नागरिकों के लिए अभिशाप स्वरूप है। हमारा देश एक गरीब देश है। यहां की अधिकांश जनसंख्या के आय के साधन सीमित हैं। इस कारण साधारण नागरिक और कमजोर वर्ग के व्यक्ति अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर पाते। बेरोजगारी इस कठिनाई को और भी अधिक जटिल बना देती है। व्यापारी अपनी वस्तुओं का कृत्रिम अभाव उत्पन्न कर देते हैं। इसके कारण वस्तुओं के मूल्यों में अनियन्त्रित वृद्धि हो जाती है, परिणामत: कम आय वाले व्यक्ति बहुत-सी वस्तुओं और सेवाओं से वंचित रह जाते हैं। महंगाई के बढ़ने से कालाबाजारी को प्रोत्साहन मिलता है। व्यापारी अधिक लाभ कमाने के लिए वस्तुओं को अपने गोदामों में छिपा देते हैं। आजकल रोजमर्रा की वस्तुओं की कालाबाजारी हो रही है। रूस से सस्ता तेल और गैस मिलने के कारण भारत को कोई बड़े संकट का सामना नहीं करना पड़ा। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में मौसम अनुकूल होते ही कृषि उत्पादों की आपूर्ति सामान्य हो जाएगी और उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। रूस द्वारा यूक्रेन से अनाज निर्यात समझौता तोड़ देने से विश्व भर में गेहूं की कीमतों में उछाल आएगा लेकिन इसका भारत पर कोई ज्यादा असर नहीं होगा, क्योंकि भारत के खाद्यान्न भंडार पर्याप्त हैं और वह कई देशों को अनाज निर्यात भी करता है।

सहकारिता से ही गांव का आर्थिक विकास संभव है: डा प्रवीण

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आर एस एस के सहकारिता क्षेत्र के अग्रणी संगठन सहकार भारती द्वारा जनपद के सड़वा चंद्रिका के उपाध्याय पुर के जूनियर हाईस्कूल विद्यालय परिसर में संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस मौके पर जनपद सहकार भारती इकाई को गठन किया गया। संगोष्ठी में सहकार भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री डॉ प्रवीण सिंह जादौन ने कहा कि सहकार भारती सहकारिता क्षेत्र का देश व्यापी संगठन है सहकारिता से ही गांव का आर्थिक विकास संभव है सहकार गंगा गांव योजना से नदी के किनारे गांव में सहकार भारती के माध्यम से लोगो को प्राकृतिक खेती सब्जी फल एवम् फूलो की खेती के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा सहकार भारती एस एच जी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक राजेश शर्मा ने कहा कि, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के माध्यम से ही गांव में परती भूमि पर बांस की खेती की जायेगी समूह के माध्यम से उपभोक्ता भंडार का संचा लन किया जायेगा प्रदेश एस एच जी प्रकोष्ठ

प्रमुख कोमल गुप्ता ने कहा कि जनपद में एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत अबला से आचार मुरब्बा के अलावा आयुर्वेदिक औषधि के निर्माण की जानकारी दी उन्होंने सहकार भारती के माध्यम से निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रेरित किया। सहकार भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री डॉ प्रवीण सिंह जादौन ने जनपद की की जिला कमेटी की घोषणा की, जिसमें भाष्कर शर्मा को अध्यक्ष, आलोक मिश्र आजाद को उपाध्यक्ष, राकेश प्रताप सिंह को उपाध्यक्ष, इंद्रदेव मिश्र उपाध्यक्ष, कमलेश शर्मा को कोषाध्यक्ष, दिनेश कुमार शर्मा को महामंत्री, मनीष सिंह को सह संगठन प्रमुख, शिवप्रताप सिंह को एस एच जी प्रमुख, कल्पना तिवारी को महिला प्रमुख, पूर्णिमा को एस एच जी प्रमुख, अमित मौर्य, पंकज उपाध्याय, राम चन्द्र, प्रमोद, डॉ रामचन्द्र, पवन, लल्लन शर्मा, ऋषी राज सिंह, नवीन सरोज को मंत्री राहुल सिंह को सदस्य, श्याम बाबा सदस्य, रोहित जायसवाल जिला सम्पर्क प्रमुख, निधाकांत पांड़े विधि प्रकोष्ठ प्रमुख, नीलेश कुमार पैक्स प्रकोष्ठ प्रमुख मनोनीत करते हुए घोषणा की गई। सभी पदाधिकारियों को उनके मूल कार्यों से अवगत कराते हुए सभी को सहकार भारती के उद्देश्यों को समझते हुए सभी को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए जोर शोर से कार्य की शुरूआत करने की अनुमति देते हुए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती और सहकार भारती की प्रार्थना से शुरू हुआ और संगोष्ठी का कुशल संचालन महामंत्री डी के शर्मा ने किया। आभार एवम् धन्यवाद ज्ञापित सोलर एनर्जी विकास सहकारी समिति लि प्रतापगढ़ के अध्यक्ष ललित शर्मा ने किया

9 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण पर चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम प्रतियोगिता का आयोजन–25 प्रतिभागी पुरस्कृत

मऊ/आजमगढ़। केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), क्षेत्रीय कार्यालय, आजमगढ़ द्वारा मऊ जनपद के तालीमुद्दीन निस्वा डिग्री कॉलेज में 9 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण योजनाओं पर में दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 9 साल रू सेवा, सुशासन और गरीब कल्याणष् योजनाओं के बारे में व उसके महत्व को रेखांकित किया गया है। चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा मऊ मीना अग्रवाल ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नौ साल का कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। समाज के हर वर्ग के लिए उनके नेतृत्व में योजनाएं चलाई जा रही हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा

नेत्री नूपुर अग्रवाल ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक सुनिश्चित हो रही है और स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक स्वावलंबन, सड़क, पानी, बिजली जैसी बुनियादी जरूरतों की पहुंच सुदूर क्षेत्रों तक हुई है। कार्यक्रम का संचालन फील्ड पब्लिसिटी ऑफिसर तारिक अजीज ने किया। दो दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन आयोजित गोष्ठी में विद्यालय के छात्रों के मध्य प्रश्नोंत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें विजेता 25 प्रतिभागियों को विभाग की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्टॉल लगाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रचार सहायक रामखेलावन, जयप्रकाश, रफ्अत परवीन, डॉ अशद नोमानी, डॉक्टर छाया मिश्रा, सुल्ताना परवीन, सुनीता देवी, शगुफ्ता नसरीन, दिलशाद अफ्रोज, आयशा अंसारी, नगमा आमिर, वीना पांडे, अफ्रा रियाज, जिकरा खातून के साथ-साथ स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

बीजेपी के मुस्लिम मंत्री, अयोगों के अध्यक्ष क्यों नहीं उठाते बर्बता पर आवाज: अनीस मंसूरी

अरुन यादव

लखनऊ – पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के मुस्लिम मंत्रीव कई आयोगों/बोर्डो के अध्यक्ष, राज्यसभा सांसद व विधान परिषद के सदस्यों व पार्टी के अंदर बैठे मुस्लिम पदाधिकारियों से पूछना चाहता हूँ कि जब इस्लाम व पसमांदा मुसलमानों पर अत्याचार होता है तो भाजपा नेता धार्मिक उन्माद फैला कर नफरती/आमर्यादित भाषण देते हैं। मुस्लिम लड़कियों को बहला फुसला कर लव ट्रैप का शिकार बनाते हैं। मुस्लिम युवाओं को फ़र्ज़ी मुक़दमों में फंसा कर जेल भेजते हैं। धर्म के नाम पर मुस्लिम युवाओं का माबलिंचिंग करते हैं। यह बतायें कि उक्त मुद्दों पर बोलने का साहस क्यों नहीं जूटा पाते हैं। इनको डर है कि इन मुद्दों पर मुंह खोलेंगे तो इनको पार्टी व राजनीतिक सभी पदों से मुक्त कर दिया जायेगा। यह पसमांदा वही लोग हैं जो अपने निजी स्वार्थ के लिये पार्टी का झंडा ढोते रहते हैं इनकी ना तो पसमांदा समाज में कोई हैसियत है और ना ही मुसलमानो में।

अनीस मंसूरी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के पसमांदा प्रेम का एक वर्ष पूरा हो चुका है अभी तक वह लगातार पसमांदा मुसलमानो की बदहाली पर बोल ही रहे हैं

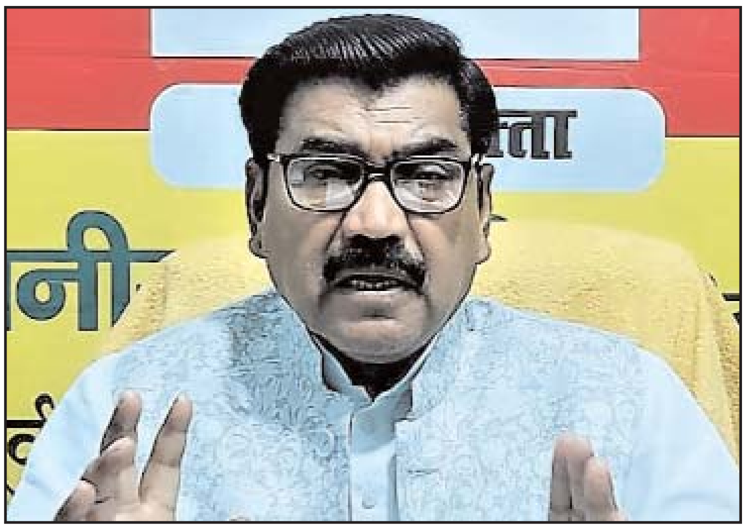

ना तो समाज के उत्थान के लिए कोई कार्ययोजना बनाई है और ना ही अभी तक आरक्षण की व्यवस्था?

अनीस मंसूरी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी सच में अगर पसमांदा मुसलमानो के हितैषी हैं तो उन्हें 2024 लोक सभा चुनाव से पूर्व पसमांदा मुसलमानो के उत्थान के लिये कुछ ठोस कदम उठाना पड़ेगा ताकि पिछड़े मुसलमानो में प्रधानमंत्री जी के प्रति विश्वास पैदा हो सके।

अनीस मंसूरी ने कहा कि पसमांदा मुस्लिम समाज इनपर कैसे विश्वास करे एकतरफ पसमांदा की बदहाली पर चिंता जताते है दूसरी तरफ पूर्व की सरकारों द्वारा पसमांदा /पिछड़े मुस्लिम को दी गयी सुविधाएं समाप्त कर रहे हैं।

1– धारा 341 के पैरा 3 के अंतर्गत पिछड़े /दलित मुसलमानो को 1936 से 1950 तक हिन्दू दलितों के भान्ति आरक्षण मिलता था इस आरक्षण को कांग्रेसी सरकार ने 1950 में प्रतिबंध लगा दिया जिसका मुक़दमा माननीय न्यायलय में पेंडिंग था ।

हजरत उमर रजि0 रसूले पाक सल्ल0 की मुराद थे: मौलाना खालिद रशीद

मुहर्रम का महीना निहायत अजमत वाला महीना है। इसके फ़ज़ीलत व बरकत में बहुत सी हदीस शरीफहैं। इस माहे मुबारक में पेश आने वाले वाकिआत और फ़ज़ीलतों से आम लोगों को वाकिफ कराना जरूरी है। इसी लिए यहाँ दस दिवसीय जलसे आयोजित होते हैं। इनसे हाजिरीन के इल्म में इजाफ़ा होता है। वह सुन्नतों से वाकिफ होते हैं, बिदातों और खिलाफ़े शरीअत रस्म व रिवाजों से दूर होते हैं। इन ख्यालात का इज्हार ''शुहादा-ए-दीन-हक व इस्लाह-ए-मुआशरा'' के तहत पहले जलसे को खिताब करते नाजिम दारूल उलम फरंगी महल मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया ने किया। मौलाना फरंगी महली ने हजरत उमर फारूक की सीरत बयान करते हुए कहा कि दूसरे खलीफा हजरत उमर फारूक रजि0 ने हुकूमत के निजाम को सही रखने के बेमिसाल और अपनाने योग्य कदम उठाये। आप रजि0 का हुकूमत करने का तौर तरीका दुनिया के तमाम हुकूमत करने वालों के लिए एक उदाहरण है। आज भी दुनिया के किसी हिस्से में फारूकी तौर तरीके पर अमल हो जाए तो वह हिस्सा जमीन में रश्क करने के योग्य बन जाए। वहाँ के लोग इस्लाम की तमाम बरकतों से लाभ उठा सकेंगें।मौलाना ने कहा कि तमाम सहाबाक्राम आप सल्ल0 के मुरीद थे और हजरत उमर रजि0 आप सल्ल0

की मुराद थे। मौलाना फरंगी महली ने मुसलमानों से अपील की कि वह सहाबा क्राम की पाक जिन्दगियों को अपना नमूना बनाये और एक स्वच्छ समाज के निर्माण और स्थापना में अपना प्रभावशाली और महत्वपूर्ण योगदान दें। जलसे का आरम्भ दारूल उलूम निजामिया फरंगी महल के उस्ताद क़ारी अब्दुल मुगीस की तिलावत कलाम पाक से हुआ। जलसे का संचालन मौलाना हारून निजामी ने किया और जलसा का अंत मौलाना खालिद रशीद की दुआ पर हुआ।

यूपीआई प्लेटफॉर्म के माध्यम से सीमा पार धन भेजने का भी काम करेंगा: डीजी यूपीयू

पूजा श्रीवास्तव

यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन वैश्विक डाक नेटवर्क का उपयोग करके सीमापार प्रेषण (रेमिटेंस) के लिए यूपीआई का मूल्यांकन करेगा यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के महानिदेशक (डीजी यूपीयू) मासाहिको मेटोकी ने केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रोनिक्स एवं आईटी तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। मेंटोकी यूपीयू क्षेत्रीय कार्यालय के उद्घाटन के लिए भारत के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। अश्विनी वैष्णव ने डाकघरों के डिजिटल रूप से संचालित नेटवर्क में रूपांतरण को साझा किया, जो दूरदराज के क्षेत्रों में सरकारी सेवाओं की द्वार तक डेलीवरी करने में सक्षम

है। भारत में डाकघर यूपीआई और आईपीपीबी के माध्यम से वित्तीय समावेशन के लिए एक सफल मॉडल रहे हैं। परस्पर बातचीत के दौरान, डीजी यूपीयू ने डिजिटल अवसंरचना के माध्यम से भारत के वास्तविक डाकघरों के विस्तार की सराहना की और अन्य देशों में इसी तरह के मॉडल बनाये जाने पर बल दिया। उन्होंने डाक चौनलों के माध्यम से सीमा पार से धन भेजे जाने के साथ इसे समेकित करने के लिए यूपीआई प्लेटफॉर्म का मूल्यांकन करने पर भी सहमति जताई।

विभेदकारी, नस्ल विरोधी नियमों के खिलाफ रक्षामंत्री एवं सांसद लखनऊ राजनाथ सिंह को सौपा ज्ञापन

यह हमारा सौभाग्य है कि आप जैसा युगपुरुष हमारे लखनऊ शहर का प्रतिनिधित्व करते है। किसी भी भारतीय नागरिक के स्वाभिमान को आहत करने वाली एक घटना की ओर इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन लखनऊ पूर्व चेयरमैन प्रशान्त भाटिया आपका ध्यानाकर्षण कराना चाहते हैं। यह घटना आपके संसदीय क्षेत्र लखनऊ में स्थित मुख्यमंत्री आवास के समक्ष स्थित लखनऊ गोल्फ क्लब की है। इसका संचालन गैरसरकारी संस्था द्वारा किया जा रहा हैं। यह भूमि इस संस्था को कालांतर में शासन द्वारा ही प्रदान की गई है। हम सबको गर्व है कि इसका उपयोग गोल्फ खिलाड़ियों के लिए किया जाता है। तद्यपि दुखद पहलू यह है कि यहां अंग्रेजो द्वारा बनाए गए विभेदकारी, जिसे हम नस्ल विरोधी नियम भी कह सकते हैं, अब तक लागू है। यहां अंग्रेजो द्वारा पूर्व में निर्धारित की गई वेशभूषा के बिना कोई प्रवेश नहीं पा सकता। मान्यवर प्रत्येक खेल की एक वेशभूषा होती है। क्रिकेट, हॉकी, वालीवाल, फुटबाल, टेनिस, कबड्डी या अन्य किसी भी खेल का अपना

एक ड्रेस कोड होता है, किंतु ऐसे स्थलों पर गए दर्शकों अथवा अतिथियों के लिए यह आवश्यक नहीं कि उन्हें भी खिलाड़ियों के कपड़े पहनने पड़े। मान्यवर दिनाँक 25 जून 2023 को प्रातः 9 बजे उद्योग क्षेत्र की प्रतिष्ठित संस्था इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की एक बैठक लखनऊ गोल्फ क्लब में आयोजित थी, जिसमें इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन लखनऊ के पूर्व चेयरमैन होने के कारण आमंत्रित होने के नाते से मैं पहुंचा था परंतु गोल्फ क्लब के मैनेजमेंट द्वारा मेरे पहने हुए भारतीय परिधान के साथ बैठक में मौजूद होने पर आपत्ति जताई गई और बताया गया कि भारतीय परिधानों को यहां पर पहनकर आना सख्त मना है। बार बार अनुरोध करने पर भी हठ किया गया कि परिधानों को बदल कर आए, जिसे मैंने भारतीय स्वाभिमान का अपमान माना और भारतीय परिधान में ही बैठक में सम्मिलित हुआ, परंतु यह सुनकर मुझे बहुत आघात लगा कि देश के सबसे बड़े प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सरकारी भूमि पर चल रहे क्लब में भारतीय परिधान प्रतिबंधित है और हमको इतिहास की किताबो में पढ़ाएं गए स्वतंत्रता आंदोलन की याद आ गयी, जब अंग्रेज भारतीयों की वेशभूषा देखकर उन्हें हीन भावना से देखते थे।

एस आर ग्रुप का टेक पईल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ अनुबंध

बख्शी तालाब स्थित एसआर ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन मे टेक पेयल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड संस्था के साथ 3 साल का अनुबंध किया गया है। इस अनुबंध के अनुसार एसआर ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के बीटेक व एमबीए के छात्र को समर इंटर्नशिप एवं 6 महीने की विशिष्ट विषय पर तकनीकी ज्ञान का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिससे आने वाली बहुउद्देशीय कंपनियों में बच्चों के चयन में सहयोग किया जा सके। संस्थान के चेयरमैन पवन सिंह चौहान एवं संस्थान के निदेशक डीपी सिंह द्वारा इस अनुबंध को संस्तुति प्राप्त हुई तथा आए हुए विशेष अतिथि गण को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री घटना स्थल पर, मृतकों के परिजनों को 5 लाख की सहायता

मुंबई। रायगढ़ जिले के खालापुर के पास इरशालवाड़ी की बस्ती में कल रात भूस्खलन की सूचना मिलने पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तुरंत मौके पर पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया और संबंधित मशीनरी को राहत व बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर रायगढ़ जिले के पालक मंत्री उदय सामंत, सार्वजनिक निर्माण कार्य (सार्वजनिक उपक्रम) मंत्री दादा भुसे, विधायक महेश थोरवे, विधायक महेश बालदी, विभागीय आयुक्त महेश कल्याणकर, रायगढ़ के जिलाधिकारी डॉ. योगेश म्हसे मौजूद थे। भारी बारिश और कठिन रास्ते के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है, लेकिन मौसम में सुधार होते ही हेलीकॉप्टरों की मदद ली जाएगी। एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। मुख्यमंत्री के आह्वान पर इलाके के एमआईडीसी के कर्मचारी एनडीआरएफ की मदद के लिए मौके पर पहुंच गए हैं। मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए आर्थिक सहायता मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद ग्रामीण से जाकर मुलाकात की और उनका हालचाल पूछा। मुख्यमंत्री ने घोषित किया कि मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की

आर्थिक सहायता दी जाएगी और घायलों का सारा इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी। साथ ही उन्होंने सरकार की ओर से हर तरह की मदद देने का आश्वासन दिया।

एनडीए और यूपीए एक ही सिक्के के दो पहलू है: बसपा प्रमुख मायावती

पूजा श्रीवास्तव

परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर व बहुजन-विरोधी कांग्रेस पार्टी, अपनी जैसी जातिवादी व पूँजीवादी सोच रखने वाली पार्टियों के साथ गठबन्धन करके, फिर से केन्द्र की सत्ता में आने के सपने देख रही है, तो वहीं दूसरी तरफ सत्ताधारी बीजेपी पार्टी भी लोकसभा आमचुनाव से पहले पुनः केन्द्र की सत्ता में आने के लिए अपने एनडीए गठबन्धन को हर मामले में मज़बूत बनाने में लगी है तथा सत्ता में फिर से आने का दावा ठोक रही है, जबकि इनकी भी कथनी व करनी में कांग्रेस पार्टी की तरह ही कोई ख़ास अन्तर नहीं है। कुल मिलाकर अब ये दोनों बने गठबन्धन यानि कि एनडीए व परिवर्तित यूपीए, केन्द्र की सत्ता में आने के लिए अपने-अपने दावे ठोक रहे है, जबकि जनता को किये गये इनके ''वायदे व आश्वासन'' आदि सत्ता में

बने रहने के दौरान् अधिकांशः खोखले ही साबित हुये हैं। ये बातें संसद के मानसून सत्र शुरू हो रहे आदि के सम्बंध में मीडिया को सम्बोधित करते हुए बहुजन समाज पार्टी (बी.एस.पी.) की राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व सांसद मायावती ने नई दिल्ली में कही। उन्होंने कहा कि वैसे भी कांग्रेस व बीजेपी एण्ड कम्पनी के गठबन्धन की रही सरकार की कार्यशैली यही बताती है कि इनकी नीति, नीयत व सोच सर्वसमाज में से विषेषकर ग़रीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों, मुस्लिम एवं अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति लगभग एक जैसी ही रही है, क्योंकि इन्होंने सत्ता में रहकर शुरू से ही इन वर्गों के मामले में अधिकांशः काग़ज़ी खानापूर्ति ही की है तथा ज़मीनी हकीकत में इनके लिए कोई ठोस कार्य नहीं किये हैं। बसपा प्रमुख ने कहा कि जब ये लोग सत्ता से बाहर हो जाते हैं तब वे इन वर्गों के वोट के स्वार्थ की खातिर इनके हितों में काफी लम्बी चौड़ी बाते करते हैं, जैसे कांग्रेस पार्टी का ''ग़रीबी हटाओं'' का व बीजेपी का हर ग़रीब के खाते में ''15 लाख रुपये'' पहुँचाने को लेकर कही गई बातें सत्ता में आने के बाद केवल हवाहवाई व खोखली ही साबित होकर रह गई है, जिसकी ख़ास वजह से ही बी.एस.पी. ने दोनों गठबन्धनों से ज्यादातर दूरी बना रखी है। मायावती ने कहा कि ऐसी स्थिति में अब इन वर्गों के लोगों को आपसी भाईचारा के आधार पर व अपना अकेले ही मज़बूत गठबन्धन बनाकर यहाँ हर मामले में अपनी एकमात्र हितैषी रही पार्टी बी.एस.पी. को ही मजबूती देनी है, ताकि केन्द्र में ''मज़बूत'' नहीं बल्कि ''मजबूर'' सरकार ही बने ताकि बी.एस.पी. के सत्ता में ना आने की स्थिति में भी इन वर्गों का ये लोग ज़्यादा शोषण नहीं कर सकें।

प्लास्टिक उपयोग से शरीर में कई अशुद्धियाँ ला रहे हैं: ज्योत्सना कौर

फेस्टिवल की शुरूआत हमारे स्वास्थ को लेकर हुई हम जो भोजन खाते हैं, और जिस प्लास्टिक हम उपयोग करते हैं, वह एक गंभीर जलवायु परिवर्तन का कारण बन रहा है और हमारे शरीर में कई अशुद्धियाँ ला रहा है। हम आपको 100 प्रतिशत रसायन मुक्त नैतिक रूप से खेती वाले जैविक खाद्य और जीवन शैली उत्पादों का उपयोग करके एक जैविक जीवन शैली से परिचित कराते हैं। कम करें-पुन:उपयोग-पुनर्चक्रण की अवधारणा को बढ़ावा देना। ये बातें लखनऊ फर्मर मार्केट के ग्रीन संडे मार्केट पर सी.ई.ओ लखनऊ फर्मर्स मार्केट ज्योत्सना कौर ने हबीबुल्लाह एस्टेट में कही। उन्होंने कहा कि हम उन सभी लोगों को एक मंच प्रदान करते हैं जो देश भर में टिकाऊ उत्पाद बना रहे हैं, किसानों, स्टार्टअप्स, इंजीनियरों जिनका जुनून और टिकाऊ जीवन जीना है, कारीगरों, कलाकारों, पारंपरिक उत्पादों, व्यंजनों और कला रूपों को संरक्षित करने वालों को एक मंच प्रदान करते हैं। बाजार में नियमित रूप से आने वाली सुमिता ने कहा, अब हम सीधे किसानों और उत्पादकों से सब्जियां, शहद, आटा, अनाज, मसाले, हल्दी, सरसों का तेल, गुड़ और अनाज

सहित जैविक कृषि ताजा प्राकृतिक उपज की नियमित आपूर्ति प्राप्त कर सकते हैं। ज्योत्सना कौर ने बताया कि स्थानीय किसानों की जैविक और कृषि ताजी सब्जियां और फल, जैविक और शुद्ध खाना पकाने के आवश्यक तेल, वर्मीकम्पोस्ट, टिकाऊ बांस, पारंपरिक सूती हथकरघा, जैविक अगरबत्ती, अद्भुत कलाकृति, जैविक आम और तरबूज की शानदार विविधता और साथ ही आम का अचार और खाने-पीने के शौकीनों के लिए उपहारों में ताजा बेक्ड साबुत आटे की ब्रेड, कुकीज, ब्राउनी, ग्लूटेन मुक्त कुकीज, क्रैकर, आटा, विशेष चाय और बहुत कुछ, तेल और परिरक्षकों के बिना घर का बना अचार, कपड़े और जूट के बैग और अधिक सहायक महिला उद्यमी शामिल हैं। बांस के उत्पादों से प्लास्टिक को ना कहें और शून्य अपशिष्ट के साथ जीना सीखें, पौधों से अपने पर्यावरण को हरा-भरा बनाएं। सी ई ओ ने कहा किग्रीन संडे के तीसरे संस्करण में जहां जागरूक उपभोक्ता जैविक और मौसमी किराने का सामान, कृषि उपज और अन्य जैविक और प्राकृतिक उत्पादों का स्टॉक कर सकते हैं। यह स्वास्थ्य और कल्याण में निवेश करने और समान विचारधारा वाले लोगों के साथ संवाद करने का एक अवसर था। भारतीय घर हमेशा जैविक और स्वस्थ रहे हैं। हमारे विज्ञान और हमारी संस्कृति को संरक्षित करने के लिए, लखनऊ किसान बाजार जैविक और प्राकृतिक जीवन शैली की हमारी विरासत को वापस लौटने का अवसर प्रदान करता है। ज्योत्सना कौर ने बताया कि लखनऊ फर्मर मार्केट शेफटेबल पर लोगों के स्वास्थ को ध्यान में रखते हुए दिखाया गया है कि कैसे हमारे स्थानीय और जैविक उत्पाद स्वादिष्ट लेकिन स्वस्थ भोजन में तब्दील हो सकते हैं। चखने का मेनू में स्थानीय जड़ी-बूटियों, मसालों, मौसमी साग, सब्जियों और फलों की हमारी संपत्ति का उपयोग करके पारंपरिक व्यंजनों को नौवेले व्यंजनों के साथ जोड़ता है ताकि हम अपने भोजन को स्वादिष्ट एवं स्वास्थ्यवर्धक बना जा सके जो एक दृश्य और स्वादिष्ट दावत हुई जिसमें शेफटेबल के मीनू में अनेक तरह के व्यंजन शामिल रहे जैसे- मैंगो साल्सा के साथ कटहल स्लाइडर (खुले बर्गर)। पहाड़ी खीरा नाशपाती का सलाद, तुलसी पेस्टो, लबनेह के साथ रागी पटाखे, काले चावल का सलाद, मिठाई, क्रीम चीज फ्रॉस्टिंग के साथ जामुन केक मिनी नींबू और आम के स्कोन आदि शाम 5 बजे - डॉली अरोड़ा सूरी सह-संस्थापक प्रेजर्व, डॉ. संजीवनी शर्मा संस्थापक कानपुर प्लॉगर्स फाउंडेशन और ज्योत्सना कौर हबीबुल्लाह सीईओ लखनऊ फर्मर्स मार्केट के साथ स्थिरता पर एक शानदार दिलचस्प बातचीत हुई जिसको विषय ''आइए अपने अधिनियम को साफ करें'' स्वैप सहित कम करने, पुन: उपयोग, रीसायकल और अपसाइकल' के लिए लोकप्रिय स्थायी स्वैप को जारी रखा बांस की अदला-बदली - अपने प्लास्टिक टूथब्रश को बायोडिग्रेडेबल बांस टूथब्रश से बदलें किताबों की अदला-बदली - पुरानी कहानियों की जगह नई कहानियाँ लें जो आपकी जिज्ञासा जगाती हैं - अदला-बदली के लिए अपनी किताबें लाएँ साड़ी/दुपट्टा स्वैप - अपना एक साड़ी या दुपट्टा लेकर आएं जिसे आप नहीं पहनती हैं और उसे बदलकर दूसरा ले जाये।

विबग्योर हाई स्कूल, गोमतीनगर, लखनऊ ने 20 जुलाई 2023 को शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए अलंकरण समारोह का आयोजन किया

विबग्योर हाई स्कूल, गोमतीनगर, लखनऊ ने 20 जुलाई 2023 को शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए अलंकरण समारोह का आयोजन किया छात्रों में नेतृत्व के गुण विकसित करने और उन्हें प्रशासनिक निकाय के कामकाज का एहसास कराने के लिए, गहन साक्षात्कार और चयन के बाद एक स्कूल प्रीफेक्टोरियल बोर्ड का गठन किया गया था। प्रधानाचार्या अर्चना राज ने सभा को अपने संबोधन में निर्वाचित नेताओं को कर्तव्यनिष्ठ और जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया। उन्होंने जिम्मेदारी लेने की तैयारी के लिए नवनियुक्त स्कूल प्रीफेक्टोरियल बोर्ड को भी बधाई दी। उन्होंने उन्हें इन अवसरों का उपयोग करने और दोनों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए शिक्षाविदों के साथ अच्छा संतुलन बनाने के लिए मार्गदर्शन किया। उनकी सलाह के सुनहरे शब्द छात्रों के लिए अत्यधिक प्रेरक थे। विद्यार्थी परिषद ने अपनी सर्वोत्तम क्षमता से अपने कर्तव्यों का पालन करने और स्कूल के नियमों और विनियमों का पालन करने की प्रतिज्ञा की। शपथ ग्रहण समारोह का नेतृत्व नवनिर्वाचित प्रेसिडेंट अमायरा खुल्लर ने किया. अभिभावकों को विशेष धन्यवाद दिया गया जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर समारोह के सफल संचालन में सहयोग किया।

सहारा ग्रुप में जमाकर्ताओं के लिए खुशखबरी सहारा रिफण्ड पोर्टल का शुभारम्भ अमित शाह मंगलवार को नई दिल्ली में करेंगे

सहारा समूह की सहकारी समितियों के प्रमाणिक जमाकर्ताओं द्वारा दावे प्रस्तुत करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया है केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मंगलवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय पंजीयक-सहारा रिफण्ड पोर्टल का शुभारम्भ करेंगे। सहकारिता मंत्रालय ने गठन के बाद से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्ग दर्शन और गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में सहकारी आंदोलन को मजबूत करने और सहकारी समितियों के सदस्यों के हितों की रक्षा के लिए अनेक पहल की हैं। उल्लेखनीय है कि सहारा समूह की सहकारी समितियों के जमाकर्ताओं की वैध जमा धनराशि के भुगतान संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए सहकारिता मंत्रालय के आवेदन पर, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 29 मार्च 2023 को एक आदेश दिया था। इसके तहत सर्वोच्च न्यायालय ने सहारा समूह की सहकारी समितियों के वास्तविक जमाकर्ताओं के वैध देयों के भुगतान के लिए सहारा-सेबी रिफंड

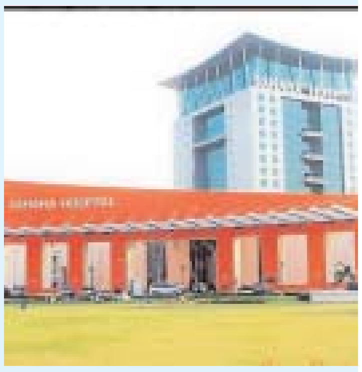

खातेसे 5000 करोड़ रुपये सहकारी समितियों के केंद्रीय रजिस्ट्रार को हस्तांतरित किए जाने का आदेश दिया। सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी लिमिटेड, हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड और स्टार्स मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के प्रमाणिक जमाकर्ताओं द्वारा दावे प्रस्तुत करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया है।

डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविधालय, लखनऊ में 10 शोधार्थियों की पी-एच0डी0 उपाधि

यें जानकारी डा शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के मीडिया प्रभारी प्रो.यशवंत वीरोदय ने जारी एक बयान में दी। 01 कला एवं संगीत संकाय के अंतर्गत समाजकार्य विभाग में कांति पाण्डेय ने डॉ0 विवेक कुमार सिंह के मार्गदर्शन में ''जघन्य अपराधों में आरोपित बाल अपचारियों की मनो-सामाजिक स्थिति एवं पुनर्वास''(उत्तर प्रदेश के अवध क्षेत्र के विशेष संदर्भ में) विषय पर पी-एच0डी0 उपाधि प्राप्त की। 2. कला एवं संगीत संकाय के अंतर्गत अर्थशास्त्र विभाग में सुजीत कुमार सिंह ने डॉ0 अभिषेक पाण्डेय के मार्गदर्शन में ''कृषि साख में किसान क्रेडिट कार्ड की प्रभावशीलता का आलोचनात्मक मूल्यांकन-मऊ जनपद के 'घोसी' तहसील के विशेष संदर्भ में'' विषय पर पी-एच0डी0 उपाधि प्राप्त की। 3.

वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत वाणिज्य विभाग में तूलिका कपूर ने डॉ0 नरेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में '' एन एनालिसिस ऑफ फाइनेंसियल परफॉरमेंस ऑफ इंडियन रेलवेज'' विषय पर पी-एच0डी0 उपाधि प्राप्त की 4. कला एवं संगीत संकाय के अंतर्गत अंग्रेजी विभाग में संगीता ने डॉ0 प्रज्ञा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में ''नॉवेल्स ऑफ उपमन्यु चटर्जी: ए क्रिटिकल स्टडी इन थीम्स एंड टेक्निक्स'' विषय पर पी-एच0डी0 उपाधि प्राप्त की।

5. कला एवं संगीत संकाय के अंतर्गत राजनीति विज्ञान विभाग में संदीप कुमार सोनी ने डॉ0 आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में ''मानव अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्द्धन में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका: जीवन के अधिकार के विशेष सन्दर्भ में'' विषय पर पी-एच0डी0 उपाधि प्राप्त की।

6. कला एवं संगीत संकाय के अंतर्गत ललित कला विभाग में अनीता वर्मा ने डॉ0 अवधेश प्रसाद मिश्रा के मार्गदर्शन में ''अवध में हस्तकशीदाकारी के बदलते स्वरूप का विश्लेषणात्मक अध्ययन (1950-2015)'' विषय पर पी-एच0डी0 उपाधि प्राप्त की।

7. कला एवं संगीत संकाय के अंतर्गत हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग में ममता यादव ने डॉ0 यशवंत वीरोदय के मार्गदर्शन में ''हंस के सम्पादकीय में प्रतिरोध के स्वर और हाशिए का समाज (1986-2013 ई0 तक)'' विषय पर पी-एच0डी0 उपाधि प्राप्त की।

8. विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकाय के अंतर्गत रसायन विज्ञान विभाग में अपूर्वा पाण्डेय ने डॉ0 विनय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में ''सिंथेसिस एंड इवोल्यूशन ऑफ हेटेरोसाईक्लिक लिगन्डस एंड देयर कम्प्लेक्सेस फर बायोमेडिकल इमेजिंग'' विषय पर पी-एच0डी0 उपाधि प्राप्त की।

9. विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकाय के अंतर्गत एप्लाईड स्टेटिस्टिक्स विभाग में शिवम् शुक्ला ने डॉ0 शशि भूषण के मार्गदर्शन में ''आन सम कंट्रीब्यूशन टू द थ्योरी ऑफ रिसपांस एरर एंड नान रिसपांस एरर'' विषय पर पी-एच0डी0 उपाधि प्राप्त की।

10. कला एवं संगीत संकाय के अंतर्गत समाजशास्त्र विभाग में ऋचा पाण्डेय ने डॉ0 शैलजा सिंह के मार्गदर्शन में ''पारिवारिक संरचना के बदलते प्रतिमान और घरेलू हिंसा: लखनऊ जिले के संदर्भ में एक समाजशास्त्रीय अध्ययन'' विषय पर पी-एच0डी0 उपाधि प्राप्त की।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने मनाया अपना 116वां स्थापना दिवस

बैंक ऑफ़ बड़ौदा पुराने और नए का एक अनूठा मिश्रण है: देबदत्त

पूजा श्रीवास्तव

बैंक ऑफ़ बड़ौदा पुराने और नए का एक अनूठा मिश्रण है। यह 115 वर्षों की समृद्ध विरासत वाला एक ऐसा बैंक है, जो नवोन्मेषिता को अपनाकरअपने ग्राहकों और अन्य प्रमुख हितधारकों का विश्वास और संरक्षण पाने के लिए निरंतर खुद को नए सिरे से तैयार कर रहा है। यें बातें बैंक ऑफबड़ौदा के 116वें स्थापना दिवस के मौके पर, बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी देबदत्त चाँद ने कही। उन्होंने कहा कि बैंक के 116वें वर्ष की थीम है एसीई – सिद्धि, सहयोग, समृद्धि भविष्य की बैंकिंग की आधारशिला का निर्माण जो बैंक के लिए बड़े सपने देखने, उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और एक मज़बूत, अधिक समृद्ध और साझा भविष्य का निर्माण करने के उद्देश्य तय करती है। देबदत्त चॉद ने कहा कि बैंक की स्थापना दूरदर्शी और समाज सुधारक महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ द्वारा की गई थी। 1908 में बड़ौदा के मांडवी में स्थापित की गई पहली शाखा से, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने आज खुद को देश के दूसरे सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के रूप में स्थापित कर लिया है।17 देशों में नेटवर्क के साथ बैंक ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मज़बूत उपस्थिति दर्ज की है। इस मौके पर, बैंक ने एमएसएमई, विज्ञान और चिकित्सा, साहित्य, समाज सेवा, उद्योग, खेल, कला और सिनेमा के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले ग्राहकों को सम्मानित भी किया।बॉब लखनऊ अंचल ने किया विभिन्न कार्यक्रमबैंक ऑफबड़ौदा, लखनऊ अंचल,उत्तर प्रदेश द्वारा विभिन्न सामुदायिक सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सामुदायिक सेवा के कार्यक्रम के अंतर्गत बैंक द्वारा रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया उसके साथ लखनऊ विश्वविद्यालय में 116वां स्थापना दिवस के स्मरण चिन्ह के रूप में 116 छायादार वृक्ष लगायें गये एवं कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत लखनऊ अंचल के अंचल प्रमुख व महाप्रबंधक राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्टाफ सदस्यों ने लखनऊ के अलीगंज स्थित श्री राम औद्योगिक अनाथालय पहुंच कर अनाथालय के बच्चों एवं प्रबन्धन के साथ स्थापना दिवस की खुशियों को साझा किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक दाऊद फुरकान हिन्दी द्वारा राज तरूण आफसेट एल०जी०एफ०-5 अंसल सिटी सेंटर, निकट यूपी प्रेस क्लब, हजरतगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 554क/142-डी, अंर्जुन नगर, आलमबाग, लखनऊ , उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। Email: anytimenewsllp@gmail.com, website: www.anytimenews.today, RNI-UPHIN/2015/62641